भारत सरकार
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2380
09 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए नियत

नेशनल आटोमोटिव टेस्टिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट

2380. श्री विनसेंट एच.पाला:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) नेशनल ऑटोमोटिव टेस्टिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट एनएटीआरआईपी के अंतर्गत कितने अनुसंधान और विकास केन्द्रों को स्वीकृति दी गई है;

(ख) उनके प्रचालन की स्थिति का ब्यौरा क्या है और क्या वर्तमान में कोई केन्द्र प्रचालनशील नहीं है तथा उन्हें प्रचालनशील करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है; और

(ग) योजना की शुरूआत से लेकर अब तक प्रत्येक प्रस्तावित अनुसंधान और विकास केन्द्रों के लिए स्वीकृत और जारी की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) : आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति ने कुल पांच ग्रीनफील्ड अनुसंधान व विकास केंद्रों की स्थापना तथा दो मौजूदा केंद्रों के स्तरोन्नयन के उद्देश्य से ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान व विकास अवसंरचना परियोजना (नैट्रिप) को 2005 में मंज़ूरी दी थी। साथ ही, आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति ने पुनरीक्षित लागत अनुमान (आरसीई-।।) को अनुमोदन प्रदान करते समय निदेश दिया था कि एक ग्रीनफील्ड केंद्र अर्थात् राष्ट्रीय वाहन अनुसंधान और सुरक्षा केंद्र (एनसीवीआरएस), रायबरेली में परिकल्पित सुविधाओं को अन्य नैट्रिप केंद्रों में समायोजित किया जाएगा। ये केंद्र हैं-

i. अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी केंद्र (आईसीएटी), मानेसर, हरियाणा

ii. वैश्विक ऑटोमोटिव अनुसंधान केंद्र (जीएआरसी), ओरेगडम, चेन्नै, तमिलनाडु

iii. मध्य भारत में राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण ट्रैक (नैट्रेक्स), पीतमपुर-इन्दौर, मध्यप्रदेश

iv. राष्ट्रीय ऑटोमोटिव निरीक्षण अनुरक्षण और प्रशिक्षण संस्थान (एनआईएआईएमटी),सिलचर, असम

<u>स्तरोन्नत केंद्र</u>

i. भारतीय ऑटोमोटिव अनुसंधान संघ (एआरएआई), पुणे

ii. वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना (वीआरडीई)

(ख) : सभी केंद्र प्रचालन में हैं और होमोलोगेशन, अनुसंधान और विकास तथा प्रमाणन हेतु मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) तथा उद्योगों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

(ग) : नैट्रिप की कुल अनुमोदित संस्वीकृत परियोजना लागत 3727.30 करोड़ रुपए है जिसमें से अब तक नैट्रिप को 3541.60 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। नैट्रिप की लेखापरीक्षित वार्षिक लेखाओं के अनुसार, स्कीम की शुरुआत अर्थात् 2005 से प्रत्येक प्रस्तावित अनुसंधान और विकास केंद्र के लिए संस्वीकृत और वित्त वर्ष 2019-20 तक वर्षवार जारी राशि अनुलग्नक-। में है।

*****

अनुलग्नक-I

							करोड़ रुपए में	
वर्ष	**प्राप्त अनुदान/संस्वीकृत निधि (ऋण, प्रयोक्ता प्रभार और आंतरिक प्रोद्भवन आदि सहित)**	**लेखापरीक्षित वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार स्थलवार परियोजना व्यय/जारी राशि**						
		आईसीएटी	**जीएआरसी**	**नैट्रेक्स**	**एआरएआई**	**वीआरडीई**	**एनआईएआईएमटी**	**एनसीवीआरएस**
2005-06	182.33	-			21.88	31.75		
2006-07	130.00	-		18.07	12.00	7.00	13.90	
2007-08	-	-	8.84	1.13	0.36	2.73	13.58	
2008-09	125.00	48.65	23.32	9.33	(12.29)	0.85	13.81	
2009-10	145.59	64.05	95.85	9.73	24.11	1.35	6.90	
2010-11	232.14	63.07	129.31	13.55	17.41	-	14.19	1.93
2011-12	355.38	53.04	47.66	45.26	8.23	-	10.16	-
2012-13	341.94	88.84	43.64	25.00	48.68	-	5.33	4.52
2013-14	-	167.95	55.29	27.26	77.25	2.97	2.30	42.21
2014-15	241.91	166.86	75.04	26.95	52.67	-	(18.84)	1.38
2015-16	-	114.87	163.29	205.48	23.36	-	0.54	0.29
2016-17	676.07	47.55	71.68	120.97	2.70	(0.63)	0.31	0.04
2017-18	316.79	45.21	86.37	156.70	11.38	-	0.05	(36.52)
2018-19	417.72	55.81	64.37	262.64	12.77	-	-	-
2019-20	259.23	14.83	73.03	246.15	(4.62)	-	2.00	-
परिसमापन क्षति (आंतरिक प्रोद्भवन)	3.20							
कुल	**3,427.30**	**930.71**	**937.70**	**1,168.22**	**295.88**	**46.02**	**64.23**	**13.85**
नोट: कोष्ठक में दर्शाए गए आंकड़े ऋणात्मक मूल्य/रिफंड हैं।								